आषाढ़ कृष्ण पक्ष नवमी 09:49 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

शुक्रवार, 20 जून 2025
वर्ष 3, अंक 300, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर नगर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

कार्यशाला

सीएसए विवि में पंजीयन के तरीके बताए गए, विशेषज्ञों ने किसानों के साथ ही कृषि वैज्ञानिकों के लिए जीआई टैग को जरूरी बताया

जीआई टैग से बढ़ती उत्पाद की गुडविल : डॉ .रजनीकांत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में गुरुवार को कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने जीआई टैग (भौगोलिक चिन्हक) बारे में विस्तार से जानकारी दी। यह भी बताया कि इससे उत्पाद की ख्याति (गुडविल) बेहतर होती है। जीआई टैग को कृषि उत्पादों से जुड़े किसानों और वैज्ञानिकों के लिए जरूरी बताया गया।

जीआई मैन डॉ रजनीकांत द्विवेदी को बुके देते विवि के कुलपति। अमृत विचार

कार्यशाला की शुरुआत सीएसए विवि के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने की। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में देश में जीआई मैन के नाम से प्रसिद्ध व विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र डॉ रजनीकांत द्विवेदी मौजूद रहे। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, केवीके वैज्ञानिकों, शोध छात्र छात्राओं को जीआई टैग के बारे में बताया गया। कार्यशाला में डॉ रजनीकांत द्विवेदी ने बताया कि देश की विरासत उसकी भौगोलिक स्थितियों को वहां की विशेष गुणवत्ता के उत्पादन से होती है।

उन्होंने यह भी बताया कि जीआई पंजीकरण के लिए किसी संस्था व संगठन की ओर से चेन्नई मुख्यालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। जहां किसी उत्पाद के विशिष्ट गुणों, भौगोलिक पहचान के आधार पर जीआई पंजीकरण किया जाता है। उन्होंने कहा अभी प्रदेश में 76 उत्पादों का उनके विशेष गुणों के आधार पर पंजीकरण हुआ है। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह वैज्ञानिकों का आह्वान करते हुए कहा कि जनपद की विशिष्ट उत्पादों को चिन्हित कर उनका पंजीकरण कराएं। उन्होंने कहा की जीआई के पंजीकरण से लाभ केवल कृषकों को ही नहीं, बल्कि इससे जुड़े वैज्ञानिकों, व्यापारियों के साथ ही अनेक हितधारकों को भी होता है। डॉ सिंह ने कहा कि इसका व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात को प्रोत्साहित किया जा सके। जिससे प्रदेश के कृषकों में खुशहाली बढ़ेगी। कार्यशाला में उपनिदेशक कृषि विपणन एवं विदेश व्यापार डॉ सुग्रीव शुक्ला ने प्रदेश में अभी तक हुए जीआई उत्पादों के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही नए जीआई के उत्पादों को चिन्हित कर पंजीकरण कराने में सहयोग की भी बात की। कार्यक्रम में डॉ पीके सिंह, डॉ विजय कुमार यादव निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र, डॉक्टर आरके यादव निदेशक प्रसार रहे।

राष्ट्रीय
सहारा

कानपुर • शुक्रवार • 20 जून • 2025

जीआई मैन ने बतायी जीआई पंजीकरण की उपयोगिता

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि िवद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में आज उत्पादों के भौगोलिक चिह्नक (जीआई) पंजीयन की प्रक्रिया को बढ़ावा देने एवं इससे जुड़े विभिन्न हित धारकों के संवेदीकरण हेतु एक दिवसीय

सीएसए में उत्पादों के भौगोलिक चिह्नक, संरक्षण एवं संवर्धन पर कार्यशाला

कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि देश में जीआई मैन के नाम से प्रसिद्ध विवि के पूर्व छात्र डॉ. रजनीकांत द्विवेदी ने वि िवद्यालय के संकाय सदस्यों, केवीके वैज्ञानिकों, शोध छात्र-छात्राओं को सरल एवं सहज ढंग से जीआई पंजीकरण एवं इसकी उपयोगिता बतायी, साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजारोन्मुखी निर्यात आदि विषय सरल एवं सहज ढंग से प्रस्तुत किये।

डॉ. द्विवेदी ने बताया कि देश की विरासत उसकी भौगोलिक स्थितियों को वहां की विशेष गुणवत्ता के उत्पादन से होती है। उन्होंने बताया कि जीआई पंजीकरण हेतु किसी संस्था/संगठन द्वारा चेन्नई मुख्यालय के समझ प्रस्तुत किया जाता है, जहां किसी उत्पाद के विशिष्ट गुणों, भौगोलिक पहचान

सीएसए में उत्पादों के जीआई पंजीयन पर हुई कार्यशाला में उपस्थित अतिथि। फोटो : एसएनबी

के आधार पर जीआई पंजीकरण किया जाता है। उन्होंने कहा अभी प्रदेश में 76 उत्पादों का उनके विशेष गुणों के आधार पर पंजीकरण हुआ है।

वि िवद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने वैज्ञानिकों का आह्वान करते हुए कहा कि जनपद के विशिष्ट उत्पादों को चिह्नित कर उनका पंजीकरण कराएं। उन्होंने कहा की जीआई के पंजीकरण से लाभ केवल कृषकों को ही नहीं, अपितु इससे जुड़े वैज्ञानिकों,व्यापारियों के साथ ही अनेक हितधारकों को भी होता है। इसका व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात को प्रोत्साहित किया जा सके। इससे प्रदेश के कृषकों में खुशहाली भी बढ़ेगी।

इस अवसर पर उपनिदेशक कृषि विपणन एवं विदेश व्यापार डॉ. सुग्रीव शुक्ला ने प्रदेश में अभी तक हुए जीआई उत्पादों के बारे में जानकारी दी। साथ ही नए जीआई उत्पादों को चिह्नित कर पंजीकरण कराने में सहयोग की भी बात की। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं भूमिका के बारे में प्रो. पीके सिंह ने प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार यादव निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र, डॉ. आरके यादव निदेशक प्रसार, डॉ. केशव आर्य, डॉ. वीके त्रिपाठी सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे। संचालन डॉ. राजीव ने किया।

अमर भारती
एक उम्मीद
5 संस्करण
मूल्यः 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com शुक्रवार, 20 जून 2025 शक सम्वत् 1947, अषाढ़ कृष्ण पक्ष अष्टमी

कवि कोना
-सुनहरी लाल 'तु
युद्ध यु
बनने को विश्व च
लगता है महा वि
सबको पड़ी है लू
सब मर गये तो भो

संरक्षण और संवर्धन विषय पर आयोजित हुई कार्यशाला

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में उत्पादों के भौगोलिक चिन्हक (जीआई) पंजीयन की प्रक्रिया को बढ़ावा देने एवं इससे जुड़े विभिन्न हित धारकों के संवेदीकरण हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि देश में जी आई मैंन के नाम से प्रसिद्ध एवं विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे डॉ रजनीकांत द्विवेदी ने विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, केवीके वैज्ञानिकों, शोध छात्र छात्राओं को सरल एवं सहज ढंग से जी आई पंजीकरण एवं इसकी उपयोगिता, अंतरराष्ट्रीय बाजारोन्मुखी निर्यात आदि विषय सरल एवं सहज ढंग से प्रस्तुत किये। डॉ द्विवेदी ने बताया कि देश की विरासत उसकी भौगोलिक स्थितियों को वहां की विशेष गुणवत्ता के उत्पादन से होती है।

'उत्पाद के गुणों व भौगोलिक पहचान करके कराएं जीआइ पंजीकरण'

जागरण संवाददाता, कानपुर : देश की विरासत उसकी भौगोलिक स्थितियों में वहां की विशेष गुणवत्ता के उत्पादन से होती है। जीआइ पंजीकरण के लिए किसी संस्था व संगठन द्वारा चेन्नई मुख्यालय में आवेदन किया जाता है। जहां किसी उत्पाद के विशिष्ट गुणों, भौगोलिक पहचान के आधार पर जीआइ पंजीकरण हो जाता है। उत्तर प्रदेश में 76 उत्पादों का जीआइ पंजीकरण हुआ है। ये बातें ने कहीं। वो गुरुवार को सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से उत्पादों के भौगोलिक चिह्नक (जीआइ), संरक्षण एवं संवर्धन विषय पर कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

मुख्य अतिथि डा. रजनीकांत द्विवेदी को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह (बाएं) • सीएसए

मुख्य अतिथि जीआइ मैन के नाम से पहचाने जाने वाले व सीएसए के पूर्व छात्र डा. रजनीकांत द्विवेदी

कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि जीआइ के पंजीकरण से लाभ केवल कृषकों को ही नहीं, अपितु इससे जुड़े विज्ञानियों, व्यापारियों के साथ ही अनेक हितधारकों को भी होता है।

अमर उजाला 20/06/2025

पहचान को संरक्षित करता जीआई टैग : डॉ. द्विवेदी

माई सिटी रिपोर्टर

सीएसए में जीआई के बारे में जानकारी देते पूर्व छात्र। स्रोतः सीएसए

कानपुर। जीआई पंजीकरण के लिए किसी संस्था व संगठन की ओर से चेन्नई मुख्यालय में आवेदन किया जाता है। जहां किसी उत्पाद के विशिष्ट गुणों, भौगोलिक पहचान के आधार पर पंजीकरण हो जाता है। जीआई टैग किसी विशिष्ट क्षेत्र से जुड़े उत्पाद की विशिष्ट पहचान को संरक्षित करता है।

यह बातें मुख्य अतिथि जीआई मैन के नाम से पहचाने जाने वाले सीएसए के पूर्व छात्र डॉ. रजनीकांत द्विवेदी ने कहीं। वह गुरुवार को विश्वविद्यालय की ओर से उत्पादों के भौगोलिक संकेत (जीआई), संरक्षण एवं संवर्धन विषय पर आयोजित कार्यशाला में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि जीआई टैग से यह तय हो जाता है कि उपभोक्ताओं को असली उत्पाद मिलेगा। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने वैज्ञानिकों से कहा कि जिले के विशिष्ट उत्पादों को चिह्नित कर उनका पंजीकरण कराएं। जीआई के पंजीकरण से लाभ केवल कृषकों को ही नहीं, बल्कि इससे जुड़े वैज्ञानिकों, व्यापारियों के साथ ही अनेक लोगों को भी होता है। उपनिदेशक कृषि विपणन एवं विदेश व्यापार डॉ. सुग्रीव शुक्ला, प्रो. डॉ. पीके सिंह, डॉ. विजय कुमार यादव, डॉ. आरके यादव, डॉ. केशव आर्य, डॉ. वीके त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 346 कानपुर, शुक्रवार 20 जून 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

संरक्षण एवं संवर्धन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

कानपुर (स्वरूप संवाददाता)। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में उत्पादों के भौगोलिक चिन्हक (जीआई) पंजीयन की प्रक्रिया को बढ़ावा देने एवं इससे जुड़े विभिन्न हित धारकों के संवेदीकरण हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि देश में जी आई मैंन के नाम से प्रसिद्ध एवं विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे डॉ रजनीकांत द्विवेदी ने विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, केवीके वैज्ञानिकों, शोध छात्र छात्राओं को सरल एवं सहज ढंग से जी आई पंजीकरण एवं इसकी उपयोगिता अंतरराष्ट्रीय बाजारोन्मुखी निर्यात आदि विषय सरल एवं सहज ढंग से प्रस्तुत किये।

डॉ द्विवेदी ने बताया कि देश की विरासत उसकी भौगोलिक स्थितियों को वहां की विशेष गुणवत्ता के उत्पादन से होती है। उन्होंने बताया कि जी आई पंजीकरण हेतु किसी संस्था/संगठन द्वारा चेन्नई मुख्यालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। जहां किसी उत्पाद के विशिष्ट गुणों, भौगोलिक पहचान के आधार पर जी आई पंजीकरण किया जाता है।उन्होंने कहा अभी प्रदेश में 76 उत्पादों का उनके विशेष गुणों के आधार पर पंजीकरण हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह वैज्ञानिकों का आवाहन करते हुए कहा कि हुए जनपद की विशिष्ट उत्पादों को चिन्हित कर उनका पंजीकरण कराएं। उन्होंने कहा की जीआई के पंजीकरण से लाभ केवल कृषकों को ही नहीं, अपितु इससे जुड़े वैज्ञानिकों,व्यापारियों के साथ ही अनेक हितधारकों को भी होता है। डॉ सिंह ने कहा कि इसका व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए,जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात को प्रोत्साहित करना है। जिससे प्रदेश के कृषकों में खुशहाली बढ़ेगी। इस अवसर पर उपनिदेशक कृषि विपणन एवं विदेश व्यापार डॉक्टर सुग्रीव शुक्ला ने प्रदेश में अभी तक हुए जी आई उत्पादों के बारे में जानकारी दी।साथ ही नए जी आई के उत्पादों को चिन्हित कर पंजीकरण कराने में सहयोग की भी बात की। इस कार्यक्रम की रूपरेखा एवं भूमिका के बारे में प्रोफेसर डॉक्टर पी के सिंह ने प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉक्टर विजय कुमार यादव निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉक्टर आरके यादव निदेशक प्रसार, डॉक्टर केशव आर्य ,डॉक्टर वी के त्रिपाठी सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे।जबकि कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर राजीव ने किया।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • शुक्रवार • 20 जून • 2025

जीआई मैन ने बतायी जीआई पंजीकरण की उपयोगिता

ुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद
एवं प्रौद्योगिकी वि॰विद्यालय कानपुर
ुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह की
ता में आज उत्पादों के भौगोलिक
क (जीआई) पंजीयन की प्रक्रिया को
देने एवं इससे जुड़े विभिन्न हित
ं के संवेदीकरण हेतु एक दिवसीय

ीएसए में उत्पादों के भौगोलिक ाह्नक, संरक्षण एवं संवर्धन र कार्यशाला

ाला का आयोजन किया गया। मुख्य
ा देश में जीआई मैन के नाम से प्रसिद्ध
के पूर्व छात्र डॉ. रजनीकांत द्विवेदी ने
ाद्यालय के संकाय सदस्यों, केवीके
कों, शोध छात्रछात्राओं को सरल एवं
ढंग से जीआई पंजीकरण एवं इसकी
गेता वतायी, साथ ही अंतरराष्ट्रीय
ान्मुखी निर्यात आदि विषय सरल एवं
ढंग से प्रस्तुत किये।

ॉ. द्विवेदी ने वताया कि देश की
त उसकी भौगोलिक स्थितियों को वहां
ेशेष गुणवत्ता के उत्पादन से होती है।
वताया कि जीआई पंजीकरण हेतु
संस्था/संगठन द्वारा चेन्नई मुख्यालय
ाझ प्रस्तुत किया जाता है, जहां किसी
के विशिष्ट गुणों, भौगोलिक पहचान के आधार पर जीआई पंजीकरण किया जाता है। उन्होंने कहा अभी प्रदेश में 76 उत्पादों का उनके विशेष गुणों के आधार पर पंजीकरण हुआ है।

वि॰विद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने वैज्ञानिकों का आह्वान करते हुए कहा कि जनपद के विशिष्ट उत्पादों को चिह्नित कर उनका पंजीकरण कराएं। उन्होंने कहा की जीआई के पंजीकरण से लाभ केवल कृषकों को ही नहीं, अपितु इससे जुड़े वैज्ञानिकों,व्यापारियों के साथ ही अनेक हितधारकों को भी होता है। इसका व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए, जिससे अंतरराष्ट्रीय वाजार में निर्यात को प्रोत्साहित किया जा सके। इससे प्रदेश के कृषकों में खुशहाली भी वढ़ेगी।

इस अवसर पर उपनिदेशक कृषि विपणन एवं विदेश व्यापार डॉ. सुग्रीव शुक्ला ने प्रदेश में अभी तक हुए जीआई उत्पादों के वारे में जानकारी दी। साथ ही नए जीआई उत्पादों को चिह्नित कर पंजीकरण कराने में सहयोग की भी वात की। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं भूमिका के वारे में प्रो. पीके सिंह ने प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार यादव निदेशक वीज एवं प्रक्षेत्र, डॉ. आरके यादव निदेशक प्रसार, डॉ. केशव आर्य, डॉ. वीके त्रिपाठी सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे। संचालन डॉ. राजीव ने किया।

सीएसए में उत्पादों के जीआई पंजीयन पर हुई कार्यशाला में उपस्थित अतिथि। फोटो : एसएनबी

अमर भारती
एक उम्मीद

...5 संस्करण | ... मूल्य: 03 रु. | RNI No. UPHIN/2011/46455 | www.amarbharti.com | शुक्रवार, 20 जून 2025 शक सम्वत् 1947, आषाढ़ कृष्ण पक्ष अष्टमी...

कवि कोना
-सुनहरी लाल 'तु...
युद्ध यु...
बनने को विश्व च...
लगता है महा वि...
सबको पड़ी है लू...
सब मर गये तो भी...

...यनित
...उनकी
... लिए
...पानी,
...श्यक
... भी
...गपूर्ण

...जित
... एवं
...पी ने
... स्पष्ट
...ी को
...हायक
...क्रिया
...संवाद
... और

...ण

...संयुक्त
...शमन
... गया।
...बैटरी
...बी ए

योग संगोष्ठी का हुआ आयोजन

कानपुर (अमर भारती ब्यूरो)। सीएसए में योग संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह रहे। कार्यक्रम डीन फैकल्टी के सभागार में किया गया। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि योग ने न केवल भारतीय समाज को बल्कि संपूर्ण विश्व को शारीरिक मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य का मार्ग दिखाया है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि योग केवल एक व्यायाम प्रणाली नहीं बल्कि विश्व को जोड़ने वाला एक सांस्कृतिक सेतु भी है। इस अवसर पर मुख्य वक्ताओं में कुमारी प्रतिष्ठा योगाचार्य राहुल यदुवंशी, बिंदु सिंह, बोस्की त्रिवेदी वरिष्ठ योग प्रशिक्षक,डॉ अनिल आनंदम, डॉ रजनीश त्रिपाठी ने व्याख्यान दिए। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मुनीश कुमार, अधिष्ठाता कृषि डॉक्टर सी एल मौर्य, अधिष्ठाता उद्यान डॉ वी के त्रिपाठी ,अधिष्ठाता फॉरेस्ट्री डॉक्टर कौशल कुमार सहित सभी अधिकारी/ वैज्ञानिक तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

बस ...

अ...

बांगरम...
मऊ गांव ...
लखनऊ ब...
की ओर से...
बस ने बाइ...
टक्कर मार ...
की दोनों ब...
फंस गए। ...
निकालकर...
जहां ...
युवक को...
घटना में दु...
गया। जिसे...
दिया गया। ...
परिजनों में ...
के बाद च...
हो गया। पु...
जुटी हुई है...
नौबस्ता के...
18 वर्षीय...
अपने च...
नवाबगंज ...
अदनान ...
बांगरमऊ ...

महानगर
वर्ष-4, अंक-263, पृष्ठ-14
मूल्यः एक रूपये

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

RNI/NO/UPHIN49792/16/4/2021

सच की अहमियत

कानपुर | शुक्रवार,20 जुन 2025 | कानपुर, लखनऊ, उत्तराखंड से एक साथ प्रकाशित | सूचना प्रसारण मंत्रालय एवं भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड

कृषि विश्वविद्यालय में योग पर आयोजित हुई संगोष्ठी

कानपुर - चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में योग संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह रहे। कार्यक्रम डीन फैकल्टी के सभागार में किया गया। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि योग ने न केवल भारतीय समाज को बल्कि संपूर्ण विश्व को शारीरिक मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य का मार्ग दिखाया है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि योग केवल एक व्यायाम प्रणाली नहीं बल्कि विश्व को जोड़ने वाला एक सांस्कृतिक सेतु भी है। इस अवसर पर मुख्य वक्ताओं में कुमारी प्रतिष्ठा योगाचार्य राहुल यदुवंशी, श्रीमती बिंदु सिंह, बोस्की त्रिवेदी वरिष्ठ योग प्रशिक्षक,डॉ अनिल आनंदम, डॉ रजनीश त्रिपाठी ने व्याख्यान दिए। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मुनीश कुमार, अधिष्ठाता कृषि डॉक्टर सी एल मौर्य, अधिष्ठाता उद्यान डॉ वी के त्रिपाठी ,अधिष्ठाता फॉरेस्ट्री डॉक्टर कौशल कुमार सहित सभी अधिकारी/ वैज्ञानिक तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

सीएसए में योग पर हुई संगोष्ठी

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में योग संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह रहे। कार्यक्रम डीन फैकल्टी के सभागार में किया गया। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि योग ने न केवल भारतीय समाज को बल्कि संपूर्ण विश्व को शारीरिक मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य का मार्ग दिखाया है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि योग केवल एक व्यायाम प्रणाली नहीं बल्कि विश्व को जोड़ने वाला एक सांस्कृतिक सेतु भी है। इस अवसर पर मुख्य वक्ताओं में कुमारी प्रतिष्ठा योगाचार्य राहुल यदुवंशी, श्रीमती बिंदु सिंह, बोस्की त्रिवेदी वरिष्ठ योग प्रशिक्षक,डॉ अनिल आनंदम, डॉ रजनीश त्रिपाठी ने व्याख्यान दिए। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मुनीश कुमार, अधिष्ठाता कृषि डॉक्टर सी एल मौर्य, अधिष्ठाता उद्यान डॉ वी के त्रिपाठी ,अधिष्ठाता फॉरेस्ट्री डॉक्टर कौशल कुमार सहित सभी अधिकारी/ वैज्ञानिक तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

आज का कानपुर

कृषि विश्वविद्यालय कानपुर में योग पर हुआ संगोष्ठी का आयोजन

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में योग संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह रहे। कार्यक्रम डीन फैकल्टी के सभागार में किया गया। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि योग ने न केवल भारतीय समाज को बल्कि संपूर्ण विश्व को शारीरिक मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य का मार्ग दिखाया है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि योग केवल एक व्यायाम प्रणाली नहीं बल्कि विश्व को जोड़ने वाला एक सांस्कृतिक सेतु भी है। इस अवसर पर मुख्य वक्ताओं में कुमारी प्रतिष्ठा योगाचार्य राहुल यदुवंशी, श्रीमती बिंदु सिंह, बोस्की त्रिवेदी वरिष्ठ योग प्रशिक्षक,डॉ अनिल आनंदम, डॉ रजनीश त्रिपाठी ने व्याख्यान दिए। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मुनीश कुमार, अधिष्ठाता कृषि डॉक्टर सी एल मौर्य, अधिष्ठाता उद्यान डॉ वी के त्रिपाठी ,अधिष्ठाता फॉरेस्ट्री डॉक्टर कौशल कुमार सहित सभी अधिकारी/ वैज्ञानिक तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।